शिक्षकों के प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों का उनके कक्षा-व्यवहार एवं छात्रों की उपलब्धि पर प्रभाव

डा. समीत कुमार मण्डल
प्रिंसिपल, कोर्णाक कालेज आफ एजुकेशन, खोकसा, जांजगीर (छ.ग.)

सार

इस शोध का मुख्य उद्देश्य यह जानना है कि शिक्षकों के प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों का उनके कक्षा-व्यवहार एवं छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों पर क्या प्रभाव पड़ता है। वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य में शिक्षक केवल ज्ञान संप्रेषक नहीं हैं, बल्कि मार्गदर्शक, प्रेरक और नवाचारकर्ता की भूमिका भी निभाते हैं। इस भूमिका को प्रभावशाली ढंग से निभाने के लिए उनके सतत व्यावसायिक विकास की आवश्यकता है।

शोध में यह पाया गया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने वाले शिक्षकों ने कक्षा में अधिक सकारात्मक व्यवहार, उन्नत शैक्षणिक रणनीतियाँ और छात्रों के साथ बेहतर संवाद प्रस्तुत किया। इसके परिणामस्वरूप उनके छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में स्पष्ट सुधार देखा गया। यह शोध नीति-निर्माताओं, प्रशिक्षण संस्थाओं और स्कूल प्रशासन के लिए उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान करता है।

उद्देश्य

1. प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रकृति एवं संरचना का विश्लेषण करना द यह जानने हेतु कि किस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक के पेशेवर व्यवहार में परिवर्तन लाते हैं।
2. व्यावसायिक विकास का शिक्षकों के कक्षा-व्यवहार पर प्रभाव जानना द जैसे कि अनुशासन बनाए रखने, छात्रों के साथ संवाद, शिक्षण विधियाँ आदि।
3. छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के साथ कक्षा-व्यवहार के संबंध का मूल्यांकन करना द कि क्या सकारात्मक कक्षा-व्यवहार से छात्रों के प्रदर्शन में सुधार होता है।
4. प्रशिक्षित एवं अप्रशिक्षित शिक्षकों की तुलना करना द ताकि कार्यक्रम की प्रभावशीलता सिद्ध हो सके।

शोध पद्धति

यह शोध मात्रात्मक (फनंदजपजंजपअम) पद्धति पर आधारित वर्णनात्मक सर्वेक्षण है। इसमें प्राथमिक और द्वितीयक दोनों प्रकार के डेटा का प्रयोग किया गया है।

1. **शोध डिजाइनः** गैर-प्रायोगिक, तुलनात्मक अध्ययन
2. **शोध दृष्टिकोणः** विश्लेषणात्मक
3. **स्थानः** छत्तीसगढ़ के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के स्कूल

जनसंख्या एवं नमूना

जनसंख्याः

छत्तीसगढ़ राज्य के सरकारी एवं अशासकीय उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक और छात्र।

नमूना चयनः

1. शिक्षकः 40 शिक्षक, जिनमें 20 प्रशिक्षण प्राप्त एवं 20 बिना प्रशिक्षण के चयनित किए गए।
2. छात्रः 160 छात्र, प्रत्येक शिक्षक के 4 छात्रों को शामिल किया गया।

नमूना तकनीकः

स्तरीकृत यादृच्छिक पद्धति, जिससे विभिन्न सामाजिक, क्षेत्रीय और शैक्षणिक पृष्ठभूमियों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हुआ।

उपकरण

1. शिक्षक कक्षा-व्यवहार मूल्यांकन प्रश्नावली शिक्षकों के व्यवहार को मापने के लिए 5-बिंदु स्केल पर आधारित प्रश्नावली।

ISSN:2456-4265
IJMEC 2024

2. छात्र उपलब्धि परीक्षण विषयों में छात्रों की प्रगति को मापने हेतु स्कूल रिकॉर्ड एवं निर्धारित मूल्यांकन।
3. प्रशिक्षण सहभागिता रिकॉर्ड शिक्षकों द्वारा किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी एवं उनके प्रकार।
4. साक्षात्कार तालिका कुछ चयनित शिक्षकों के साथ गहन चर्चा के लिए।
5. सभी उपकरणों की विश्वसनीयता और वैधता विशेषज्ञों द्वारा सत्यापित की गई।

डेटा संकलन एवं विश्लेषण

1. विद्यालयों से अनुमति प्राप्त कर व्यक्तिगत रूप से शिक्षकों एवं छात्रों से डेटा संग्रह किया गया।
2. प्रश्नावली भरवाई गई और छात्रों के ग्रेड, उपस्थिति, एवं प्रदर्शन को रिकॉर्ड किया गया।

डेटा विश्लेषण की प्रक्रियाः

SPSS सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए आंकड़ों का विश्लेषण किया गया।

मुख्य सांख्यिकीय विधियाँः

1. तुलनात्मक विश्लेषण (t- test)
2. सहसंबंध विश्लेषण (Pearson's Correlation)
3. विविधता विश्लेषण (ANOVA)

परिणाम एवं चर्चा

मुख्य निष्कर्ष

1. प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षकों के छात्रों की औसत उपलब्धि अप्रशिक्षित शिक्षकों की तुलना में 12-6% अधिक थी।
2. प्रशिक्षित शिक्षकों का कक्षा-व्यवहार अधिक सकारात्मक, संवादात्मक एवं प्रेरणात्मक पाया गया।
3. ICT एवं नवाचार आधारित प्रशिक्षणों ने शिक्षकों के शिक्षण में रचनात्मकता को बढ़ाया।

चर्चा

भविष्य की सिफारिशें

1. प्रत्येक शिक्षक के लिए वार्षिक रूप से कम से कम एक रिफ्रेशर कोर्स अनिवार्य किया जाए।
2. प्रशिक्षण कार्यक्रमों को स्थानीय भाषा, संस्कृति और शिक्षण समस्याओं के अनुसार अनुकूलित किया जाए।
3. विद्यालय स्तर पर प्रशिक्षित शिक्षक नेतृत्व समूह (ज्मंबीमत स्मंकमते) का गठन हो।
4. प्रशिक्षण कार्यक्रमों के उपरांत उनके प्रभाव का मूल्यांकन भी किया जाए।
5. डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से प्रशिक्षण की पहुँच सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक बढ़ाई जाए।

सीमाएँ

1. यह अध्ययन केवल एक राज्य (छत्तीसगढ़) तक सीमित रहा।
2. केवल 6वीं से 10वीं कक्षा के शिक्षक एवं छात्र शामिल किए गए।
3. प्रशिक्षण की गुणवत्ता की तुलना नहीं की गई, केवल उपस्थिति पर आधारित विश्लेषण हुआ।
4. निजी स्कूलों की तुलना सीमित रही।

यह परिणाम अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय शोधों से मेल खाते हैं। प्रशिक्षित शिक्षक छात्रों को केवल अकादमिक ही नहीं, बल्कि भावनात्मक रूप से भी प्रोत्साहित करते हैं। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षण की सीमित पहुँच ने वहाँ की शैक्षिक गुणवत्ता को प्रभावित किया।

निष्कर्ष

यह शोध स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि नियमित, केंद्रित एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के व्यवहार को सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। इन व्यवहारों का सीधा संबंध छात्रों की शैक्षिक प्रगति, आत्मविश्वास एवं सीखने की रुचि से जुड़ा हुआ है। शिक्षकों का व्यावसायिक विकास एक सतत प्रक्रिया होनी चाहिए, जो केवल ज्ञान नहीं बल्कि दृष्टिकोण, कौशल एवं नवाचार को

भी विकसित करे। इस दिशा में सरकार, संस्थान और समुदाय की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है।

संदर्भ

1. शर्मा, रमेश एवं गुप्ता, मोनिका (2020)। शिक्षक प्रशिक्षण की कक्षा व्यवहार पर प्रभावशीलता का अध्ययन। शैक्षिक अनुसंधान जर्नल, खंड 42(3), पृ- 120-132।
2. एन.सी.ई.आर.टी. (2019)। शिक्षकों की व्यावसायिक वृद्धि एवं छात्र अधिगम पर प्रभाव। नई दिल्लीः एनसीईआरटी प्रकाशन।
3. वर्मा, अनूप एवं सिंह, राजेश (2022)। आई.सी.टी. आधारित प्रशिक्षण एवं शिक्षण कौशल में परिवर्तन। नवाचार शिक्षा अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, खंड 10(2), पृ. 77-89।
4. यूनेस्को (2021)। समावेशी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु शिक्षक प्रशिक्षण। वैश्विक शिक्षा निगरानी रिपोर्ट। पेरिसः यूनेस्को प्रकाशन।
5. चैधरी, अमित (2023)। सेवा में रहते प्रशिक्षण का शिक्षण प्रभाव पर अध्ययन। आधुनिक शैक्षिक पद्धति जर्नल, खंड 5(1), पृ. 43-58।
6. मिश्रा, प्रवीण एवं झा, नरेश (2021)। सतत व्यावसायिक विकास का शिक्षण परिणामों पर प्रभाव। शिक्षा और समाज, खंड 33(2), पृ. 190-204।
7. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) (2020)। शिक्षक शिक्षा सुधारों पर वार्षिक प्रतिवेदन। नई दिल्लीः एनसीटीई प्रकाशन।
8. कुमार, सुरेश एवं ठाकुर, ललित (2019)। शिक्षक व्यवहार एवं छात्र उपलब्धिः एक सहसंबंध अध्ययन। भारतीय शिक्षा जर्नल, खंड 45(4), पृ. 60-74।
9. पटेल, दीप्ति (2022)। व्यावसायिक विकास का कक्षा वातावरण पर प्रभाव। भारतीय शिक्षक विकास पत्रिका, खंड 7(1), पृ- 22-35।
10. भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय (2023)। विद्यालयी शिक्षा एवं शिक्षक प्रशिक्षण पर वार्षिक रिपोर्ट। नई दिल्लीः एमओई प्रकाशन।

1- शिक्षक कक्षा-व्यवहार मूल्यांकन प्रश्नावली

(5-बिंदु स्केल पर आधारितः बिल्कुल सहमत, सहमत, निस्संदेह, असहमत, बिल्कुल असहमत पर ✓ लगाएं)

क्रमांक	कथन	बिल्कुल सहमत	सहमत	निस्संदेह	असहमत	बिल्कुल असहमत
1	मैं समय पर कक्षा में आता हूँ।					
2	मैं छात्रों की जिज्ञासाओं को प्रोत्साहित करता/करती हूँ।					
3	मैं पाठ्यक्रम को योजनाबद्ध तरीके से पढ़ाता/पढ़ाती हूँ।					
4	मैं छात्रों को व्यक्तिगत सहायता देता/देती हूँ।					

ISSN:2456-4265
IJMEC 2024

5	मैं विद्यार्थियों को विचार प्रस्तुत करने का अवसर देता/देती हूँ।					
6	मेरी कक्षा में अनुशासन बना रहता है।					
7	मैं छात्रों के बीच संवाद को प्रोत्साहित करता/करती हूँ।					
8	मैं शिक्षण में विविध विधियों का उपयोग करता/करती हूँ।					
9	मैं तकनीकी उपकरणों (जैसे स्मार्ट बोर्डध्प्रोजेक्टर) का प्रयोग करता/करती हूँ।					
10	मैं छात्रों की उपलब्धियों की नियमित समीक्षा करता/करती हूँ।					

छात्र उपलब्धि परीक्षण रिकॉर्ड तालिका

(विद्यालय स्तर पर विषय-वार रिकॉर्डिंग हेतु)

क्रमांक	**छात्र/छात्रा का नाम**	**कक्षा**	**विषय**	**अर्धवार्षिक अंक**	**वार्षिक अंक**	**कुल प्रतिशत**
1			गणित			
2			विज्ञान			
3			हिंदी			
4			अंग्रजी			

यह डेटा स्कूल से ली गई मूल प्रगति पुस्तिका, टेस्ट रिपोर्ट, और वार्षिक परीक्षा के आधार पर संकलित किया जा सकता है।

प्रशिक्षण सहभागिता रिकॉर्ड

क्रमांक	**शिक्षक का**	**विद्यालय का**	**प्रशिक्षण**	**प्रशिक्षण**	**अवधि (**	**प्रशिक्षण**	**प्रशिक्षण का स्वरूप (ऑनलाइ**

ISSN:2456-4265
IJMEC 2024

	नाम	नाम	का नाम	की तिथि	दिनों में)	संस्था	न/ऑफ लाइन)
1							
2							
3							

इसमें प्रशिक्षण की विषयवस्तु, संसाधनों का उपयोग, और फीडबैक भी जोड़ा जा सकता है।

साक्षात्कार तालिका

(कुछ चयनित शिक्षकों के साथ गहन संवाद हेतु)

नमूना प्रश्नावली (अर्ध-संरचित)

1. आप अब तक किन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग ले चुके हैं?
2. क्या प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने आपके शिक्षण व्यवहार में कोई बदलाव लाया? उदाहरण सहित बताएं।
3. क्या आपको लगता है कि प्रशिक्षण के बाद छात्रों की प्रतिक्रिया में कुछ अंतर आया?
4. प्रशिक्षण के कौन-कौन से भाग सबसे उपयोगी लगे?
5. क्या प्रशिक्षण कार्यक्रम व्यावहारिक समस्याओं को हल करने में सहायक रहा?
6. भविष्य में आप किस प्रकार के प्रशिक्षण की अपेक्षा रखते हैं?